विशेषज्ञों ने किसानों को बताई उन्नत पैदावार की तकनीक

माई सिटी रिपोर्टर

रुड़की। मदरहुड विश्वविद्यालय रुड़की के एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट की ओर से वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें देश के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने जिले के विभिन्न गांवों से पहुंचे किसानों को उन्नत कृषि की तकनीक बताई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डॉ. गजे सिंह, डॉ. आरएस सेंगर और कृषि विज्ञान केंद्र सहारनपुर व धनौरी से पहुंचे वैज्ञानिक विरेंद्र कुमार वर्मा एवं डॉ. विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

मदरहुड विश्वविद्यालय की ओर से वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन फसलों में लगने वाले कीट और उनकी रोकथाम की जानकारी दी

गोष्ठी में डॉ. गजे सिंह ने किसानों को फसलों में लगने वाले कीट और उनकी रोकथाम की जानकारी देते हुए गन्ने में लगने वाली मुख्य बीमारी पोक्का बोइंग और उनके प्रबंधन के बारे में बताया। जैव प्रौद्योगिकी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. आरएस सेंगर ने किसानों की टिश्यू कल्चर तकनीक के माध्यम से केला, पपीता, सहजन और स्टीविया की खेती के बारे में बताया। कृषि विज्ञान केंद्र सहारनपुर से पहुंचे डॉ. विरेंद्र कुमार वर्मा ने रबी सीजन की फसलों सरसों व गेहूं की प्रजातियों, खाद, उर्वरक व प्रबंधन की जानकारी दी। इस मौके पर विवि कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य किसानों की आय को दोगुना करना है। उन्होंने कहा कि किसान गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों के सहयोग से किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देना और इसके लिए प्रेरित करना है। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रमुख किसान संगठनों से आए प्रतिनिधियों, प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. अनिल कपिल ने किया। कृषि संकाय के उप-अधिष्ठाता डॉ. राजीव कुमार, सहप्राध्यापक डॉ. विचित्र बालियान, अरविंद कुमार, प्रभात कुमार, रिंकू भारद्वाज, अंकित कुमार व रविंद्र कुमार आदि ने किसान संगोष्ठी का प्रबंध किया।

7

मदरहुड विवि में आयोजित कृषि गोष्ठी में मौजूद कुलपति, विशेषज्ञ एवं किसान।

उन्नत खेती के उपकरणों की लगाई प्रदर्शनी

गोष्ठी में उन्नत खेती के लिए उपयोग में आने वाले उपकरणों का भी प्रदर्शन किया गया। आयशर ट्रैक्टर्स, टाटा मोटर्स, सुमिटोमो कैमिकल्स, कोरोमंडल इंटरनेशनल, एफएमसी कारपोरेशन, ओम मैक्स एग्री फूड, नाथ बोयाजैम, गोल्डन सीड, सिन्जेंटा सी एवं कोटैक महिंद्रा बैंक आदि की ओर से प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ. पीके अग्रवाल, डॉ. वीके शर्मा, प्राचार्य अंकित शर्मा, डॉ. एके कौशल, प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार वर्मा, हेमंत कपूर, सचिन, सतीश, सौरभ पोशवाल व कपिल आदि मौजूद रहे।

किसानों को बताई उन्नत खेती की तकनीक

संवाद सहयोगी, रुड़की : मदरहुड विश्वविद्यालय में कृषि संकाय की ओर से एक किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत खेती किस प्रकार से की जा सकती है इसके बारे में विस्तार से बताया। संगोष्ठी में जिले के विभिन्न गांवों से अनेक किसानों ने भाग लिया। किसानों ने इस दौरान कृषि से संबंधित प्रश्न भी पूछे। जिसका वैज्ञानिकों ने विस्तार से उत्तर देकर किसानों की जिज्ञासा को शांत किया।

संगोष्ठी की शुरूआत कुलपति डॉ. नरेंद्र शर्मा एवं कृषि वैज्ञानिक व सरदार बल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय से आए वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डॉ. गजे सिंह, डॉ. आरएस सेंगर, वैज्ञानिक विरेंद्र कुमार वर्मा एवं डॉ. विनोद कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से की। डॉ. गजे सिंह ने किसानों को फसलों में लगने वाले कीट और उनकी रोकथाम के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. आरएस सेंगर ने किसानों को टिश्यू कल्चर तकनीक के माध्यम से केला, पपीता आदि की खेती के बारे में जानकारी दी। विरेंद्र कुमार वर्मा ने किसानों को रबी सीजन में बोई जाने वाली फसलों के बारे में बताया। इस मौके पर डॉ. अनिल कपिल, उप-अधिष्ठाता डॉ. राजीव कुमार, डॉ. विचित्र बालियान, अरविंद कुमार, प्रभात कुमार, रिंकू भारद्वाज, अंकित कुमार, रविंद्र कुमार, डीन प्रबंधन डॉ. पीके अग्रवाल, डीन शिक्षा संकाय डॉ. वीके शर्मा, प्राचार्य पॉलीटेक्निक अंकित शर्मा, विभागाध्यक्ष विज्ञान संकाय डॉ. एके कौशल, प्राचार्य फार्मेसी डॉ. संतोष कुमार वर्मा, आइटी विभाग के हेमंत कपूर, सचिन, सतीश, सौरभ पोशवाल एवं कपिल आदि मौजूद रहे।

बुधवार को मदरहुड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किसान संगोष्ठी में उपस्थित किसान • आयोजक संस्था

राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ देहरादून ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर
■ पटना ■ कानपुर ■ वाराणसी से प्रकाशित
देहरादून
बृहस्पतिवार ● 24 अक्टूबर ● 2019
पृष्ठ 16, वर्ष-13, अंक 4338, मूल्य ` 2.50

वैज्ञानिकों ने किसानों को सिखाये उन्नत कृषि के गुर

■ रुड़की/एसएनबी।

मदरहुड विश्वविद्यालय में कृषि संकाय के तत्वावधान में देश के विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने जिले के विभिन्न गांवों से आये किसानों को उन्नत कृषि के गुर सिखाये।

कार्यक्रम उदघाटन कुलपति प्रो. डा. नरेन्द्र शर्मा, सरदार

मदरहुड विवि में किसान संगोष्ठी आयोजित

वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि से आये वरिष्ठ कीट वैज्ञानिक डा. गजे सिंह, डा. आरएस सेंगर और कृषि विज्ञान केंद्र सहारनपुर व धनौरी के वैज्ञानिक वीरेंद्र कुमार वर्मा व डा. विनोद कुमार ने सरस्वती मां के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। संगोष्ठी में डा. गजे सिंह ने किसानों को फसलों में लगने वाले कीट और उनकी रोकथाम की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने गन्ने में लगने वाली मुख्य बीमारी पोक्का बोईंग और उनके प्रबंधन के बारे में भी बताया। डा. आरएस सेंगर ने किसानों की टिश्यू कल्चर तकनीक के माध्यम से केला, पपीता, सहजन और स्टीविया की खेती के बारे में सविस्तार बताया। डा. वीरेन्द्र कुमार वर्मा ने किसानों को रबी सीजन में बोई जाने वाली फसलों सरसों व गेहूं की प्रजातियों, खाद व उर्वरक और प्रबंधन की उचित जानकारी प्रदान की। कुलपति प्रो. डा. नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि विवि का प्रयास है कि संगोष्ठियों के माध्यम से क्षेत्र आसपास के किसानों को वैज्ञानिकों के माध्यम से नई खोजों की जानकारी लगातार मिली रहे। संचालन डा. अनिल कपिल ने किया। कृषि संकाय के उपअधिष्ठाता डा. राजीव कुमार, सहप्राध्यापक डा. विचित्र बालियान, अरविंद कुमार, प्रभात कुमार, रिंकू भारद्वाज, अंकित कुमार, रविन्द्र कुमार आदि ने किसान संगोष्ठी का प्रबंध किया।

रुड़की : फीता काटकर किसान संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कुलपति डा. नरेंद्र शर्मा।

संगोष्ठी में आयशर ट्रैक्टर्स, टाटा मोटर्स, सूमिटोमो केमिकल्स इंडिया लि., कोरोमंडल इंटरनेशनल लि., एफएमसी कारपोरेशन, ओममैक्स एग्री फ्लूड, नाथ बोयाजैम, गोल्डन सीड सिंजेंटा सीड़ एवं कोटैक महिन्द्र बैंक ने अपनी प्रदर्शनी लगाकर सभी किसानों को जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डीन प्रबंधन डा. पीके अग्रवाल, डीन शिक्षा संकाय डा. वीके शर्मा, प्राचार्य पालीटेक्निक अंकित शर्मा, विभागाध्यक्ष विज्ञान संकाय डा. एके कौशल, प्राचार्य फॉर्मेसी डा. संतोष कुमार वर्मा, आईटी विभाग से हेमंत कपूर, सचिन, सतीश, सौरभ पोशवाल, कपिल इत्यादि उपस्थित रहे।